

Acc. No.

3838

LIBRARY OF TIBETAN WORKS & ARCHIVES
DHARMSALA

[illegible]

Class No. 215

Acc No. 3838

LIBRARY OF TIBETAN WORKS & ARCHIVES
DHARAMSALA.

ཨ། དགའ་མཆོད་ཀྱི་བཅའ་བློ་མཁུ་མཐུན་པ་ལ་བརྟེན་པའི་སྒོ་བ་གཉིས་པ་རྣམས་ལ་ཉེ་བར་མཁུ་
བའི་གཏམ་ལོ་གསལ་པ་ཤད་ལོ་ད་མཆོད་པ་ལ་ལོ་གསལ་པ་མཆོད་པ་ལོ།

པ་དག་ཟིན་ཆེས་ཆེན་དང་། བཅད་དང་པོ་གསུམ་པ་དག་དང་ཕྱེད་པ་དག་ཟིན་ཆེས་
འཇགས་པ་དང་བཟུང་དང་དེ་ཡི་འབྲས་ཐོབ་པ་། དེ་དག་ཀློན་ཀྱང་དང་འཁོར་བ་དེ་དག་པ་དེ་ཆེས་
ཟིན་ཆེས་ཟུང་། ཞེས་པ་ཀུན་དམ་པ་ལྟར་དེ་འཁོར་བ་ཤིག་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་
པ་དག་ཆེས་པ་ལྟར་དེ་དག་ཀློན་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་
པ་དག་ཆེས་པ་ལྟར་དེ་དག་ཀློན་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་
པ་དག་ཆེས་པ་ལྟར་དེ་དག་ཀློན་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་
པ་དག་ཆེས་པ་ལྟར་དེ་དག་ཀློན་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་
པ་དག་ཆེས་པ་ལྟར་དེ་དག་ཀློན་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་པ་དང་པོ་ཟིན་ཆེས་

[illegible]

۱۱

卷之四

員

[illegible]

۱۲

291

२३। ॥ ह्रीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

一

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः शिवाय नमः श्रीगणेशाय नमः श्रीकृष्णाय नमः श्रीरामाय नमः श्रीब्रह्माय नमः श्रीविष्णवे नमः श्रीशिवाय नमः श्रीनारायणाय नमः श्रीधर्मराजाय नमः श्रीपद्मनाभाय नमः श्रीलोकनाथाय नमः श्रीचक्रवर्तीयै नमः श्रीसर्वभूतार्थदात्रे नमः श्रीसर्वज्ञाय नमः श्रीसर्वकर्ताय नमः श्रीसर्वगत्यर्थदात्रे नमः श्रीसर्वपापहराय नमः श्रीसर्वदुःखहर्त्रे नमः श्रीसर्वसुखदात्रे नमः श्रीसर्वसौभाग्यदात्रे नमः श्रीसर्वसम्पत्तिदात्रे नमः श्रीसर्वसन्तोषदात्रे नमः श्रीसर्वसन्निधिदात्रे नमः श्रीसर्वसहाय्याय नमः श्रीसर्वसङ्कटहार्याय नमः श्रीसर्वसंसारक्षेत्राधिकारिणे नमः श्रीसर्वसंसारक्षेत्राधिकारिणे नमः श्रीसर्वसंसारक्षेत्राधिकारिणे नमः

[Faint handwritten Tibetan script]

[illegible]

ཏུ་དང་ལྷན་སའི་གསུང་རྒྱུ་ཚེས་པོ་བཞི་དུང་པམ་གྱིས་རྒྱུ་ཐུ་བཟུང་གིས་ཀྱི་ཡང་བ་ལ་ཆུང་།

卷六

[illegible]

ཨྲ།

ཁྱེལ་ལས་ལུང་བཟུལ་པའི་ཤིང་རྩ་ཆེན་པོ་ལྟ་བུ་བ་དང་ཐོག་མ་མེད་གཤིས་ཀྱིས་བྲམ་པ་
 དང་རྩ་ཆེན་པོའི་ཐོག་པ་ཆེན་པོའི་བཟུལ་པའི་སྐྱེས་པ་ལས་པ་ལ་མེད་པ་མོག་སྤྱོད་ཀྱིས་ཆེན་པོའི་གཤིས་
 དང་། དེ་དག་གི་ལུགས་སྒྲིལ་པའི་ཆེན་པོའི་པར་གྱི་ལས་ལས་ལས་པ་གསེར་པོའི་ལས་ལས་ལས་པ་ལས་པོ་
 རྒྱུ་བ་པའི་བཟུལ་པ་པོའི་ཆེན་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་པར་གྱི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་
 པའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་
 རྒྱུ་བ་པའི་བཟུལ་པ་པོའི་ཆེན་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་
 རྒྱུ་བ་པའི་བཟུལ་པ་པོའི་ཆེན་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་ལས་ལས་ལས་པོའི་

[illegible]

[illegible]

བུ་སྐྱབས་ཀྱི་དཔལ་རྒྱུ་གིས་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། དེ་ལྟར་ཡིན་པའི་ཆུང་ཆུང་གི་
 རྩམས་པའི་ཁྲི་ལྷན་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།
 ཨ་མ་ཚུ་ལ་མཛད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།
 སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།
 སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།
 སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།
 སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ། སྤྱི་ཅིང་ཕྱོད་པའི་ཕྱོད་པུ་མཛད་པ།

[illegible]

Handwritten text within a rectangular border, consisting of several lines of script in an Indic language.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100

10

10

100

[illegible]

[The page contains faint, illegible handwritten text.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

37. [Illegible text in Devanagari script]

[illegible]

१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अर्जुनस्य वचनम् ॥
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

...

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



卷之五

11

四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1257

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता
 उपनिषद्संख्ययोगो नाम प्रथमोऽध्यायः ॥ १ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

丁巳年

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

一、

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

卷之四
 四
 五
 六
 七
 八
 九
 十
 十一
 十二
 十三
 十四
 十五
 十六
 十七
 十八
 十九
 二十
 二十一
 二十二
 二十三
 二十四
 二十五
 二十六
 二十七
 二十八
 二十九
 三十
 三十一
 三十二
 三十三
 三十四
 三十五
 三十六
 三十七
 三十八
 三十九
 四十
 四十一
 四十二
 四十三
 四十四
 四十五
 四十六
 四十七
 四十八
 四十九
 五十
 五十一
 五十二
 五十三
 五十四
 五十五
 五十六
 五十七
 五十八
 五十九
 六十
 六十一
 六十二
 六十三
 六十四
 六十五
 六十六
 六十七
 六十八
 六十九
 七十
 七十一
 七十二
 七十三
 七十四
 七十五
 七十六
 七十七
 七十八
 七十九
 八十
 八十一
 八十二
 八十三
 八十四
 八十五
 八十六
 八十七
 八十八
 八十九
 九十
 九十一
 九十二
 九十三
 九十四
 九十五
 九十六
 九十七
 九十八
 九十九
 一百

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

一、

三

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible.]

Handwritten text in the left margin, possibly a title or reference.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Vertical text on the right edge of the page, likely a page number or additional notes.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

3245

[illegible]

100. [Text in Tibetan script, likely a religious or philosophical passage.]

[Text in Tibetan script, likely a marginal note or commentary.]

[illegible]

[illegible]

五

19

[illegible]

Handwritten text in a single line within a rectangular border, likely a verse or a specific passage from a text.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

151

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

विष्णुर्देवताः त्रयोदशानामुपनिषद्ग्रन्थेषु
अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
विष्णुर्देवताः त्रयोदशानामुपनिषद्ग्रन्थेषु
अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
विष्णुर्देवताः त्रयोदशानामुपनिषद्ग्रन्थेषु
अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
विष्णुर्देवताः त्रयोदशानामुपनिषद्ग्रन्थेषु
अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

10

...

[Faint handwritten Devanagari script]

[illegible]

[illegible]

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

11

1501

६०। विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १ ॥

[illegible]

122

[illegible]

[illegible]

201

[illegible]

[illegible]

1941

... ..

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or reference.

Handwritten text within the main rectangular frame, consisting of several lines of script.

Small handwritten text or mark located at the top left corner of the page.

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

མ་ཤིག་གསལ་ཆེ། གསལ་ཏེ་མི་ཤེས་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།
དུས་ཤིག་ཤིས་པ་ལྟར་དང་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།
མཐོང་པ་ལྟར་ལྟར་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།
མ་ཤིག་ཤིས་པ་ལྟར་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།
མ་ཤིག་ཤིས་པ་ལྟར་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།
མ་ཤིག་ཤིས་པ་ལྟར་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་། གསལ་ཏེ་ཐུག་པ་དང་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

前

221

[illegible]

[illegible]

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

10

張

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ ३३ ॥
 ॥ ३४ ॥
 ॥ ३५ ॥
 ॥ ३६ ॥
 ॥ ३७ ॥
 ॥ ३८ ॥
 ॥ ३९ ॥
 ॥ ४० ॥
 ॥ ४१ ॥
 ॥ ४२ ॥
 ॥ ४३ ॥
 ॥ ४४ ॥
 ॥ ४५ ॥
 ॥ ४६ ॥
 ॥ ४७ ॥
 ॥ ४८ ॥
 ॥ ४९ ॥
 ॥ ५० ॥
 ॥ ५१ ॥
 ॥ ५२ ॥
 ॥ ५३ ॥
 ॥ ५४ ॥
 ॥ ५५ ॥
 ॥ ५६ ॥
 ॥ ५७ ॥
 ॥ ५८ ॥
 ॥ ५९ ॥
 ॥ ६० ॥
 ॥ ६१ ॥
 ॥ ६२ ॥
 ॥ ६३ ॥
 ॥ ६४ ॥
 ॥ ६५ ॥
 ॥ ६६ ॥
 ॥ ६७ ॥
 ॥ ६८ ॥
 ॥ ६९ ॥
 ॥ ७० ॥
 ॥ ७१ ॥
 ॥ ७२ ॥
 ॥ ७३ ॥
 ॥ ७४ ॥
 ॥ ७५ ॥
 ॥ ७६ ॥
 ॥ ७७ ॥
 ॥ ७८ ॥
 ॥ ७९ ॥
 ॥ ८० ॥
 ॥ ८१ ॥
 ॥ ८२ ॥
 ॥ ८३ ॥
 ॥ ८४ ॥
 ॥ ८५ ॥
 ॥ ८६ ॥
 ॥ ८७ ॥
 ॥ ८८ ॥
 ॥ ८९ ॥
 ॥ ९० ॥
 ॥ ९१ ॥
 ॥ ९२ ॥
 ॥ ९३ ॥
 ॥ ९४ ॥
 ॥ ९५ ॥
 ॥ ९६ ॥
 ॥ ९७ ॥
 ॥ ९८ ॥
 ॥ ९९ ॥
 ॥ १०० ॥

[illegible]

卷之四

10

三

[illegible]



3839

Date: _____
 Page: _____
 Name: _____
 Class: _____

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1990

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

[illegible]

531

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

109। विष्णुसहस्रनाम स्तोत्रम् । श्रीगणेशाय नमः ।
विष्णुं शशिधरं चतुर्भुजं । त्रिलोकेश्वरं महाकायम् ।
शङ्खचक्रघटोत्तकं दामोदरं । हृद्यं भक्तवत्सलम् ।
नन्दनन्दनं लीलाङ्गकं । मन्मथं प्रेमात्मकम् ।
पद्मनाभं सुलोचनं । वन्द्यं वन्दनीयम् ।
सर्वभूतार्थदायकं । सर्वपापहरम् ।
सर्वदुष्टनाशकं । सर्वकल्याणकरम् ।
सर्वलोकपालकं । सर्वप्रसादनम् ।
सर्वभूतहितैषिणम् । सर्वज्ञानदायकम् ।
सर्वभूतारतिप्रदम् । सर्वभूतबोधकम् ।
सर्वभूतसुखदायकम् । सर्वभूतसौख्यकरम् ।
सर्वभूतसन्निभम् । सर्वभूतसंगमम् ।
सर्वभूतसंगमस्थलम् । सर्वभूतसंगमस्तम् ।

[illegible]

123
[Faded handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script and is mostly illegible due to fading. It appears to be a single paragraph or a list of items.]

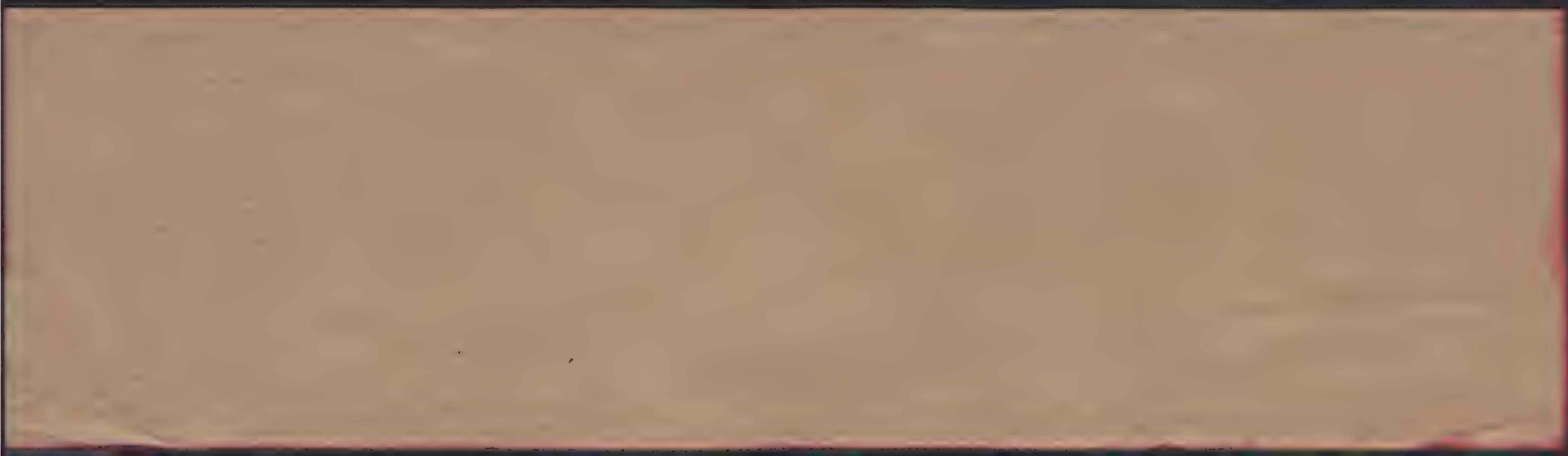
091। [transcription of handwritten Tibetan script]

[illegible]

五

521

278



གྲྀ

༣༣།

།དགྲ་ལྷ་དཔངས་བསྟོད་པ་བྱས་པོ།

༥

Class No. 3840
 Date Recd. 3/1/11
 Library of the University of Chicago
 Div. of the East Asiatic Studies

一

1927

འདྲ་བོད་པ་རྒྱ་ནག་གི་སྐད་ཀྱི་ཡི་གེ།

77

會

4

[illegible]

一
二
三
四
五
六
七
八
九
十

一
二
三
四
五
六
七
八
九
十
十一
十二
十三
十四
十五
十六
十七
十八
十九
二十
二十一
二十二
二十三
二十四
二十五
二十六
二十七
二十八
二十九
三十
三十一
三十二
三十三
三十四
三十五
三十六
三十七
三十八
三十九
四十
四十一
四十二
四十三
四十四
四十五
四十六
四十七
四十八
四十九
五十
五十一
五十二
五十三
五十四
五十五
五十六
五十七
五十八
五十九
六十
六十一
六十二
六十三
六十四
六十五
六十六
六十七
六十八
六十九
七十
七十一
七十二
七十三
七十四
七十五
七十六
七十七
七十八
七十九
八十
八十一
八十二
八十三
八十四
八十五
八十六
八十七
八十八
八十九
九十
九十一
九十二
九十三
九十四
九十五
九十六
九十七
九十八
九十九
一百

1. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
2. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
3. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
4. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
5. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
6. ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

37

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The first line is a header or title, followed by a main body of text. The text is enclosed in a double-line border.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The first line is a header or title, followed by a main body of text. The text is enclosed in a double-line border.

221

[illegible]

ཕྱི་ལོ། །ཤུ་རྩ་ལྔ་པ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ། །ཕྱི་ལོ་ལྟེན་པའི་ལོ་ཤིང་ལ། །འབྲུག་ཅི་མཆོད་ཀྱི་ལྷ། །ཕྱི་ལོ་

ཕྱི་ལོ་
ལོ་ཤིང་ལ།
ལོ་ཤིང་ལ།
ལོ་ཤིང་ལ།
ལོ་ཤིང་ལ།
ལོ་ཤིང་ལ།
ལོ་ཤིང་ལ།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1237

॥ ३१ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The frame is bordered by a double line, and the text is written in a dark ink on a light background.

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ अर्जुन मया द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ३ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ७ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सन्महाबली ॥ ८ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

四

四

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

10
20
30
40
50
60
70
80
90
100

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

221

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[Faint, illegible handwritten text]

[Faint handwritten text at the bottom of the page]

[Faint handwritten text across the bottom margin]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

५३

सुखमयम् । अथैवमस्ति सुखमयम् । इत्यथैवमस्ति सुखमयम् । इत्यथैवमस्ति सुखमयम् ।
नमो । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । नमो नमो सुखमयम् सुखमयम् । नमो सुखमयम्
सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् ।
सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् ।
सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् ।
सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् ।
सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् । सुखमयम् सुखमयम् सुखमयम् ।

[illegible]

100

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

八五

[illegible]

[illegible]

出

卷之四

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवा-
 दः ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां शृणु त्वत्प्रवक्तव्यम् ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
 मामकाः पांडवश्चैव किमकुर्वत सजीव ॥
 महाबाहो बभूवुः संजय ॥ १ ॥

221. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

५३। ॥ कृत्वा स्यात्तुम् ॥ विष्णुं शीतलं च वपुः स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं प्रीतिं यथा शक्यं स्यात्तुम् ॥ १ ॥
॥ आसन्नं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं जगत्तुम् ॥ बुद्धं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ २ ॥
॥ अत्र तुम् ॥ तदेव स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ विष्णुं कुर्वीतुम् ॥ ३ ॥
॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ ४ ॥
॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ ५ ॥
॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ ६ ॥
॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ द्रुष्टुं च विष्णुं स्यात्तुम् ॥ ७ ॥

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Tibetan, enclosed in a rectangular border. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is dense and appears to be a form of Manichaean or similar religious text. The characters are finely inscribed or written in a dark ink on a lighter background. The overall appearance is that of an ancient manuscript page.

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

291
 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 8

...
...
...
...
...
...
...

...

227

221. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 84

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

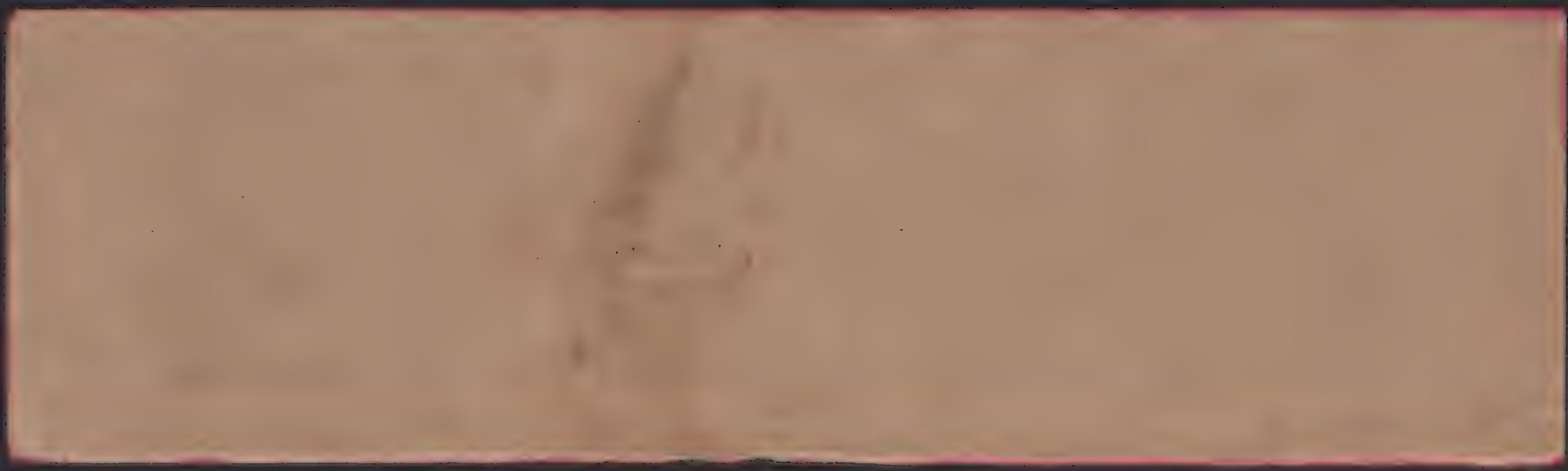
[illegible]

357
 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 8

[illegible]

卷之四

[illegible]



243
24/11/11
LIBRARY OF THE
UNIVERSITY OF TORONTO

UNIVERSITY OF TORONTO
LIBRARY

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

1
2
3
4

2001

2002

2003

2004

विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना
विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना
विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना
विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना विनिर्दिष्टावधिना

Handwritten text in a vertical column on the right side of the page, likely a title or a section header.

Main body of handwritten text in a vertical column, enclosed within a rectangular border. The text is densely packed and appears to be a continuous passage.

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or continuation of the main text.

Handwritten text in the main body of the manuscript, consisting of several lines of script.

Handwritten text in the left margin, likely a commentary or continuation of the main text.

[illegible]

1

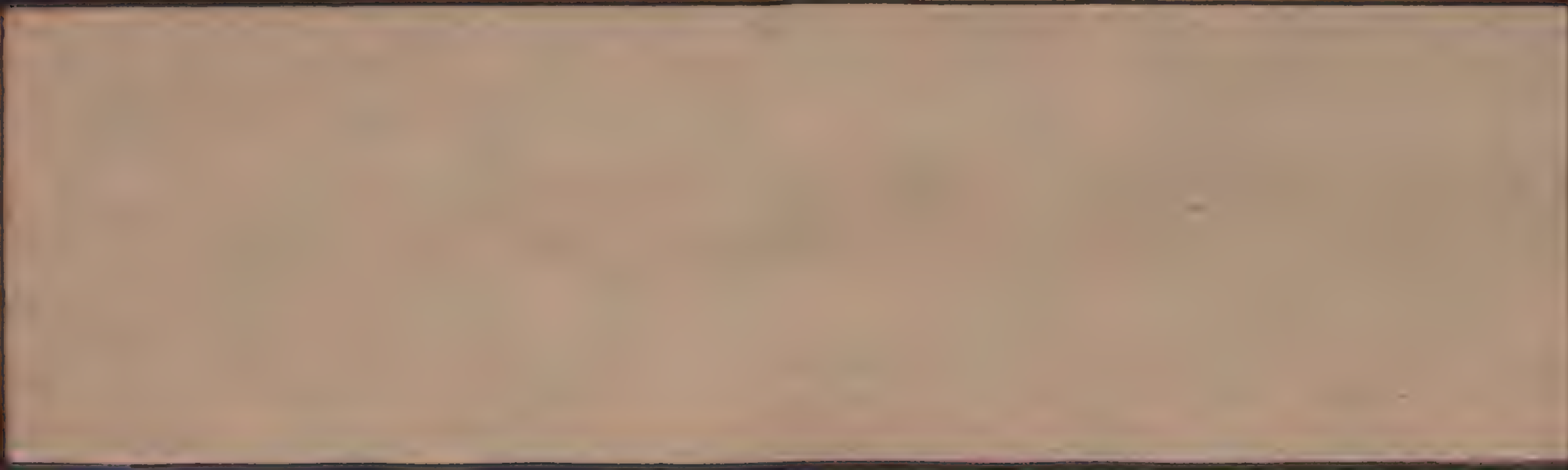
[illegible]

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines, separated by vertical lines. The script is dense and appears to be a form of Sanskrit or Hindi. The page is framed by a double-line border.

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is organized into several lines. The ink is dark, and the background is light-colored paper. The text is enclosed within a double-line border.



3842

LIBRARY OF TIBETAN WORKS

[illegible]

3391

21. 11. 1957

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

三

一

[illegible]

227

1795

विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम्

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

507

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a cursive script, possibly Indic or Persian, and is arranged in approximately 10 horizontal lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a simple rectangular border.

521

[illegible]

221

[illegible]

[illegible]

1221

221
 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839.

... ..

... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..
... ..

[illegible]

[The text in this section is extremely faded and illegible.]

37

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly a historical form of a European language. The frame is simple and rectangular, with a thin border. The text is arranged in several lines, filling most of the frame. The handwriting is dense and somewhat difficult to decipher due to the cursive style and the age of the document. The overall appearance is that of a historical manuscript page.

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or a page from a book. The text is written in a cursive script, possibly Devanagari, and is arranged in several lines. The ink is dark, and the background is a light, aged paper. The text is enclosed within a double-line border.

30.
[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality. It appears to be a list or index of items, possibly related to the preceding section.]

[illegible]

191

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript or ledger page. The text is organized into columns and rows, suggesting a structured record or account. The script is a historical form of Chinese characters, possibly from the Ming or Qing dynasties. The text is densely packed and covers most of the page area within the frame.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीभक्तिसहितप्रदीपिकायां
 प्रथमाध्याये श्रीनारायणस्तोत्रम् ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥
 नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते
 नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥
 नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते
 नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥
 नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते
 नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥ नमोऽस्तु ते नारायणाय ॥

4

155

[illegible]

[illegible]

1001
 1002
 1003
 1004
 1005
 1006
 1007
 1008
 1009
 1010
 1011
 1012
 1013
 1014
 1015
 1016
 1017
 1018
 1019
 1020
 1021
 1022
 1023
 1024
 1025
 1026
 1027
 1028
 1029
 1030
 1031
 1032
 1033
 1034
 1035
 1036
 1037
 1038
 1039
 1040
 1041
 1042
 1043
 1044
 1045
 1046
 1047
 1048
 1049
 1050
 1051
 1052
 1053
 1054
 1055
 1056
 1057
 1058
 1059
 1060
 1061
 1062
 1063
 1064
 1065
 1066
 1067
 1068
 1069
 1070
 1071
 1072
 1073
 1074
 1075
 1076
 1077
 1078
 1079
 1080
 1081
 1082
 1083
 1084
 1085
 1086
 1087
 1088
 1089
 1090
 1091
 1092
 1093
 1094
 1095
 1096
 1097
 1098
 1099
 1100
 1101
 1102
 1103
 1104
 1105
 1106
 1107
 1108
 1109
 1110
 1111
 1112
 1113
 1114
 1115
 1116
 1117
 1118
 1119
 1120
 1121
 1122
 1123
 1124
 1125
 1126
 1127
 1128
 1129
 1130
 1131
 1132
 1133
 1134
 1135
 1136
 1137
 1138
 1139
 1140
 1141
 1142
 1143
 1144
 1145
 1146
 1147
 1148
 1149
 1150
 1151
 1152
 1153
 1154
 1155
 1156
 1157
 1158
 1159
 1160
 1161
 1162
 1163
 1164
 1165
 1166
 1167
 1168
 1169
 1170
 1171
 1172
 1173
 1174
 1175
 1176
 1177
 1178
 1179
 1180
 1181
 1182
 1183
 1184
 1185
 1186
 1187
 1188
 1189
 1190
 1191
 1192
 1193
 1194
 1195
 1196
 1197
 1198
 1199
 1200
 1201
 1202
 1203
 1204
 1205
 1206
 1207
 1208
 1209
 1210
 1211
 1212
 1213
 1214
 1215
 1216
 1217
 1218
 1219
 1220
 1221
 1222
 1223
 1224
 1225
 1226
 1227
 1228
 1229
 1230
 1231
 1232
 1233
 1234
 1235
 1236
 1237
 1238
 1239
 1240
 1241
 1242
 1243
 1244
 1245
 1246
 1247
 1248
 1249
 1250
 1251
 1252
 1253
 1254
 1255
 1256
 1257
 1258
 1259
 1260
 1261
 1262
 1263
 1264
 1265
 1266
 1267
 1268
 1269
 1270
 1271
 1272
 1273
 1274
 1275
 1276
 1277
 1278
 1279
 1280
 1281
 1282
 1283
 1284
 1285
 1286
 1287
 1288
 1289
 1290
 1291
 1292
 1293
 1294
 1295
 1296
 1297
 1298
 1299
 1300
 1301
 1302
 1303
 1304
 1305
 1306
 1307
 1308
 1309
 1310
 1311
 1312
 1313
 1314
 1315
 1316
 1317
 1318
 1319
 1320
 1321
 1322
 1323
 1324
 1325
 1326
 1327
 1328
 1329
 1330
 1331
 1332
 1333
 1334
 1335
 1336
 1337
 1338
 1339
 1340
 1341
 1342
 1343
 1344
 1345
 1346
 1347
 1348
 1349
 1350
 1351
 1352
 1353
 1354
 1355
 1356
 1357
 1358
 1359
 1360
 1361
 1362
 1363
 1364
 1365
 1366
 1367
 1368
 1369
 1370
 1371
 1372
 1373
 1374
 1375
 1376
 1377
 1378
 1379
 1380
 1381
 1382
 1383
 1384
 1385
 1386
 1387
 1388
 1389
 1390
 1391
 1392
 1393
 1394
 1395
 1396
 1397
 1398
 1399
 1400
 1401
 1402
 1403
 1404
 1405
 1406
 1407
 1408
 1409
 1410
 1411
 1412
 1413
 1414
 1415
 1416
 1417
 1418
 1419
 1420
 1421
 1422
 1423
 1424
 1425
 1426
 1427
 1428
 1429
 1430
 1431
 1432
 1433
 1434
 1435
 1436
 1437
 1438
 1439
 1440
 1441
 1442
 1443
 1444
 1445
 1446
 1447
 1448
 1449
 1450
 1451
 1452
 1453
 1454
 1455

[illegible]

འཕགས་པ་

འཕགས་པ་

༡༠། མཐོན་པོ་ཕྱག་པུན་དང་། ལས་ཀྱི་དེ་ལྟ་སྟེ་མཆོམས་པ་བྱས། དམ་ཅན་ཕྱོད་མཆོམས་
ཆོག་སྟེ་དང་པོ་དང་། འདི་ལྟ་སྟེ་ཆོག་སྟེ་དམ་ཅན་པོ་དང་། དེ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས།
ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས།
དམ་ཅན་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། དམ་ཅན་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། དམ་ཅན་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། དམ་ཅན་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས།
ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས།
ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས། ལྟ་སྟེ་ཕྱོད་མཆོམས་པ་བྱས།

[illegible]

